Hindi Murli Quiz 25-06-2015

.

Q.1) **Match the following**

	Choice	Match
A	जैसे स्थूल शरीर द्वारा साकारी ईश्वरीय सेवा में बिजी रहते हो	ऐसे अपने आकारी शरीर द्वारा अन्त:वाहक सेवा भी साथ-साथ करनी है।
B	जैसे ब्रहमा द्वारा स्थापना की वृद्धि हुई वैसे	अभी आपके सूक्ष्म शरीरों द्वारा, शिव शक्ति के कम्बाइन्ड रूप के साक्षात्कार द्वारा साक्षात्कार और सन्देश मिलने का कार्य होना है।
C	इस सेवा के लिए कर्म करते भी	किसी भी कर्मबन्धन से मुक्त सदा डबल लाइट रूप में रहो।
D	मान के त्याग में	सर्व के माननीय बनने का भाग्य समाया हुआ है।
E	भल कितना भी धनवान है, तो भी यह अल्पकाल का सुख काग विष्टा समान है। इनको कहा जाता है विषय वैतरणी नदी।	स्वर्ग में तो हम बहुत सुखी होंगे।
F	तुम प्रदर्शनी में अपना सुख बताते हो ना। हम भारत को स्वर्ग बना रहे हैं।	श्रीमत पर भारत की सेवा कर रहे हैं। जितना-जितना श्रीमत पर चलेंगे उतना तुम श्रेष्ठ बनेंगे।

Q.2) **Match the following**

	Choice	Match
A	बाप कहते हैं शान्तिधाम, सुखधाम तरफ बुद्धि रखो।	परन्तु बुद्धि गन्दी दुनिया तरफ एकदम जैसे चटकी हुई है।
B	बाबा हमको पवित्र बनाकर पवित्र दुनिया में ले जाते हैं तो	ऐसे बाप का कितना रिगार्ड रखना चाहिए।
C	अभी तुम फूल बन रहे हो। जानते हो कल्प-कल्प हम ऐसे फूल (देवता) बनते हैं।	मनुष्य से देवता किये करत न लागी वार।
D	तुम बच्चों ने विकारों को छोड़ा है, विकारी कोई आकर बैठ न सके। अगर बिगर बताये आकर बैठ जाते हैं तो अपना ही नुकसान करते हैं। कोई चालाकी करते हैं, किसको पता थोड़ेही पड़ेगा।	बाप भल देखे, न देखे, खुद ही पाप आत्मा बन पड़ते हैं।
E	बाप कितना श्रृंगारते हैं।	ऊंच ते ऊंच भगवान पढ़ाते हैं तो कितना खुशी से पढ़ना चाहिए।
F	बाबा कहेंगे तुम पढ़ते कहाँ हो। बुद्धि भटकती रहती है। तो क्या बनेंगे!	लौकिक बाप भी कहते हैं इस हालत में तो तुम नापास हो जायेंगे।

Q.3) **Match the following**

	Choice	Match
A	बाप तो हर एक को जानते हैं ना।	तुम बच्चे भी जान सकते हो अपने अन्दर को देखना चाहिए-हमारे में कौन-सी कमी है? माया के विघ्नों से पार जाना है, उसमें फँसना नहीं है।
B	विघ्नों को मिटाते जाना है। कैसे भी करके बाप से वर्सा जरूर लेना है।	नहीं तो हम कल्प-कल्पान्तर फेल हो जायेंगे।
C	समझो कोई साहूकार का बच्चा है, बाप उनको पढ़ाई में अटक (रूकावट) डालते हैं तो	कहेगा हम यह लाख भी क्या करेंगे, हमको तो बेहद के बाप से विश्व की बादशाही लेनी है।
D	बाप आकर रावण राज्य को खलास कराये तुमको रामराज्य का मालिक बनाते हैं।	तुमको तो अन्दर में अथाह खुशी होनी चाहिए-गाया हुआ है अतीन्द्रिय सुख पूछना हो तो बच्चों से पूछो।
E	अब बाप बच्चों को समझाते हैं-कोई गफ़लत नहीं करो।	भूल न जाओ। अच्छी रीति पढ़ो। रोज़ क्लास अटेण्ड नहीं कर सकते हो तो भी बाबा सब प्रबन्ध दे सकते हैं।
F	अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो।	कोई भी विकर्म वा पाप कर्म देह-अभिमान में आने से ही होता है।

Q.4) **सदा खुशी में रहो कि हमें कोई देहधारी नहीं पढ़ाते, _____ बाप शरीर में प्रवेश कर खास हमें पढ़ाने आये हैं|**

(सभी उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकते हैं परन्तु सबसे सटीक एक ही उत्तर का चयन करें)

A. अशरीरी

B. निराकारी

C. सर्वशक्तिवान

Q.5) **खुद भी समझते हैं - हम _____- के थप्पड़ से छूटने चाहते हैं। परन्तु _____ छूटने नहीं देती है। कहते हैं बाबा _____ को बोलो-ऐसे पकड़े नहीं।**

- माया
- maya
- maaya
- mayaa